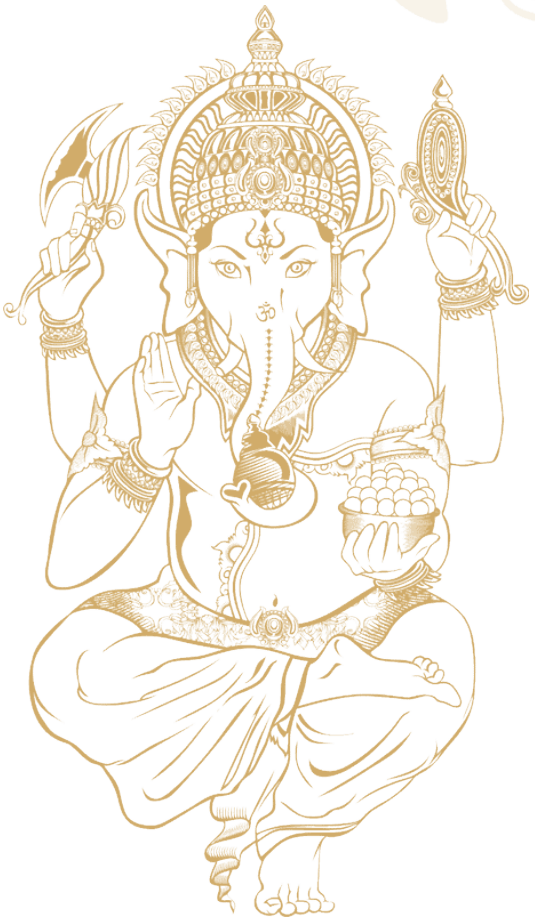

Mr.

07 Nov 2014

09:52 PM

Rudraprayag

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 120015304

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
07/11/2014	जन्म तिथि	**07/11/2025**
शुक्रवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 21:52:23	जन्म समय	17:29:45 घंटे
घटी 38:18:28	जन्म समय(घटी)	27:21:13 घटी
India	देश	India
Rudraprayag	स्थान	Rudraprayag
उत्तर 30:16:00	अक्षांश	30:16:00 उत्तर
पूर्व 78:59:00	रेखांश	78:59:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:14:04	स्थानिक संस्कार	-00:14:04 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:32:59	सूर्योदय	06:33:15
17:22:21	सूर्यास्त	17:22:08
24:03:56	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:08

मिथुन	लग्न	मेष
बुध	लग्न लग्नाधिपति	मंगल
वृष	राशि	वृष
शुक्र	राशि-स्वामी	शुक्र
कृतिका	नक्षत्र	रोहिणी
सूर्य	नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
2	चरण	3
वरियान	योग	परिघ
कौलव	करण	वणिज
इ-ईश्वर	जन्म नामाक्षर	वी-वीणा
वृश्चिक	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक
वैश्य	वर्ण	वैश्य
चतुष्पाद	वश्य	चतुष्पाद
मेष	योनि	सर्प
राक्षस	गण	मनुष्य
अन्त्य	नाड़ी	अन्त्य
गरूड़	वर्ग	मृग
11	गत/तत्कालिक वर्ष	12

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
पुनर्वसु	3	28:46:43	मिथु			लग्न			मेष	24:39:46	4	भरणी
विशाखा	1	21:06:45	तुला			सूर्य			तुला	21:06:45	1	विशाखा
कृतिका	2	00:38:39	वृष			चंद्र			वृष	18:53:33	3	रोहिणी
पूर्वाषाढ़ा	1	15:03:21	धनु			मंगल		अ	वृश्चि	07:54:13	2	अनुराधा
चित्रा	4	04:04:49	तुला			बुध			वृश्चि	12:16:45	3	अनुराधा
आश्लेषा	4	27:02:14	कर्क			गुरु			कर्क	00:54:16	4	पुनर्वसु
विशाखा	2	24:30:11	तुला		अ	शुक्र			तुला	06:28:38	4	चित्रा
विशाखा	4	00:35:32	वृश्चि		अ	शनि	व		मीन	01:18:49	4	पू०भाद्रपद
चित्रा	1	25:04:30	कन्या	व		राहु	व		कुंभ	22:17:33	1	पू०भाद्रपद
रेवती	3	25:04:30	मीन	व		केतु	व		सिंह	22:17:33	3	पू०फाल्गुनी
रेवती	1	19:16:59	मीन	व		मु			वृष	28:46:43	2	मृगशिरा

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:08

लग्न-चलित

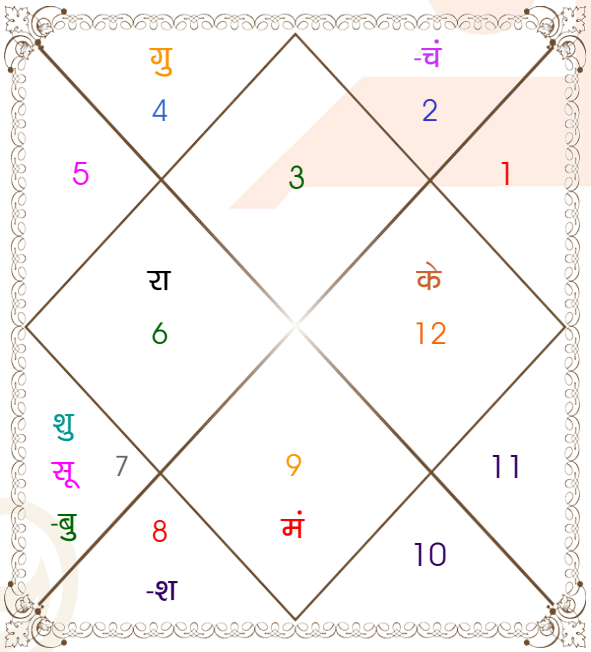

वर्ष लग्न कुंडली

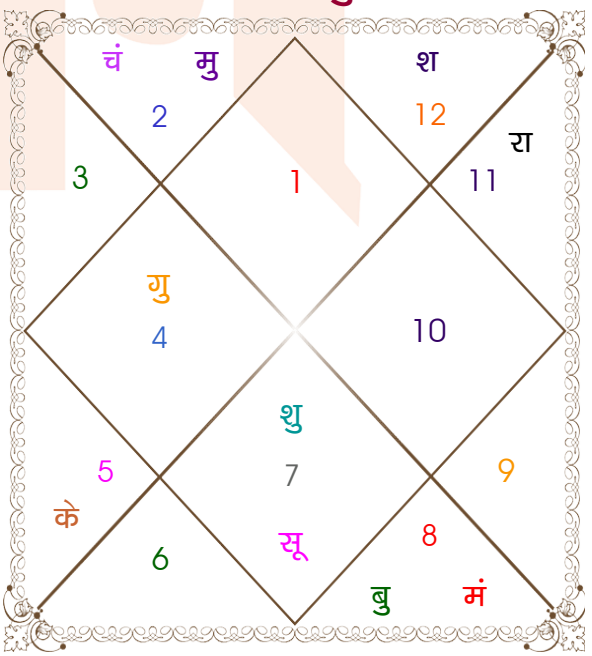

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

चंद्र - बुध - राहु		चंद्र - बुध - गुरु		चंद्र - बुध - शनि		चंद्र - केतु - केतु	
08/09/2025 04:46		24/11/2025 19:32		01/02/2026 19:20		24/04/2026 17:36	
24/11/2025 19:32		01/02/2026 19:20		24/04/2026 17:36		07/05/2026 03:53	
राहु	19/09/2025 20:11	गुरु	04/12/2025 00:19	शनि	14/02/2026 18:40	केतु	25/04/2026 11:00
गुरु	30/09/2025 04:33	शनि	14/12/2025 22:29	बुध	26/02/2026 09:13	शुक्र	27/04/2026 12:43
शनि	12/10/2025 11:29	बुध	24/12/2025 17:03	केतु	03/03/2026 03:55	सूर्य	28/04/2026 03:38
बुध	23/10/2025 11:23	केतु	28/12/2025 17:38	शुक्र	16/03/2026 19:38	चंद्र	29/04/2026 04:29
केतु	28/10/2025 00:03	शुक्र	09/01/2026 05:36	सूर्य	20/03/2026 21:56	मंगल	29/04/2026 21:53
शुक्र	09/11/2025 22:30	सूर्य	12/01/2026 16:24	चंद्र	27/03/2026 17:48	राहु	01/05/2026 18:38
सूर्य	13/11/2025 19:39	चंद्र	18/01/2026 10:23	मंगल	01/04/2026 12:30	गुरु	03/05/2026 10:24
चंद्र	20/11/2025 06:53	मंगल	22/01/2026 10:58	राहु	13/04/2026 19:26	शनि	05/05/2026 09:38
मंगल	24/11/2025 19:32	राहु	01/02/2026 19:20	गुरु	24/04/2026 17:36	बुध	07/05/2026 03:53

चंद्र - केतु - शुक्र		चंद्र - केतु - सूर्य		चंद्र - केतु - चंद्र		चंद्र - केतु - मंगल	
07/05/2026 03:53		11/06/2026 16:08		22/06/2026 07:49		10/07/2026 01:56	
11/06/2026 16:08		22/06/2026 07:49		10/07/2026 01:56		22/07/2026 12:14	
शुक्र	13/05/2026 01:56	सूर्य	12/06/2026 04:55	चंद्र	23/06/2026 19:20	मंगल	10/07/2026 19:20
सूर्य	14/05/2026 20:33	चंद्र	13/06/2026 02:14	मंगल	24/06/2026 20:11	राहु	12/07/2026 16:05
चंद्र	17/05/2026 19:34	मंगल	13/06/2026 17:09	राहु	27/06/2026 12:06	गुरु	14/07/2026 07:51
मंगल	19/05/2026 21:17	राहु	15/06/2026 07:30	गुरु	29/06/2026 20:55	शनि	16/07/2026 07:05
राहु	25/05/2026 05:07	गुरु	16/06/2026 17:35	शनि	02/07/2026 16:23	बुध	18/07/2026 01:20
गुरु	29/05/2026 22:45	शनि	18/06/2026 10:04	बुध	05/07/2026 04:45	केतु	18/07/2026 18:44
शनि	04/06/2026 13:41	बुध	19/06/2026 22:17	केतु	06/07/2026 05:37	शुक्र	20/07/2026 20:27
बुध	09/06/2026 14:26	केतु	20/06/2026 13:12	शुक्र	09/07/2026 04:38	सूर्य	21/07/2026 11:22
केतु	11/06/2026 16:08	शुक्र	22/06/2026 07:49	सूर्य	10/07/2026 01:56	चंद्र	22/07/2026 12:14

चंद्र - केतु - राहु		चंद्र - केतु - गुरु		चंद्र - केतु - शनि		चंद्र - केतु - बुध	
22/07/2026 12:14		23/08/2026 11:15		20/09/2026 21:03		24/10/2026 14:41	
23/08/2026 11:15		20/09/2026 21:03		24/10/2026 14:41		23/11/2026 19:06	
राहु	27/07/2026 07:17	गुरु	27/08/2026 06:10	शनि	26/09/2026 05:15	बुध	28/10/2026 21:19
गुरु	31/07/2026 13:33	शनि	31/08/2026 18:07	बुध	30/09/2026 23:57	केतु	30/10/2026 15:34
शनि	05/08/2026 15:00	बुध	04/09/2026 18:42	केतु	02/10/2026 23:10	शुक्र	04/11/2026 16:18
बुध	10/08/2026 03:40	केतु	06/09/2026 10:28	शुक्र	08/10/2026 14:07	सूर्य	06/11/2026 04:32
केतु	12/08/2026 00:24	शुक्र	11/09/2026 04:06	सूर्य	10/10/2026 06:36	चंद्र	08/11/2026 16:54
शुक्र	17/08/2026 08:14	सूर्य	12/09/2026 14:12	चंद्र	13/10/2026 02:04	मंगल	10/11/2026 11:09
सूर्य	18/08/2026 22:35	चंद्र	14/09/2026 23:01	मंगल	15/10/2026 01:18	राहु	14/11/2026 23:49
चंद्र	21/08/2026 14:31	मंगल	16/09/2026 14:47	राहु	20/10/2026 02:44	गुरु	19/11/2026 00:24
मंगल	23/08/2026 11:15	राहु	20/09/2026 21:03	गुरु	24/10/2026 14:41	शनि	23/11/2026 19:06

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा तथा यदा कदा मानसिक रूप से आप कष्ट तथा परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही मानसिक स्थिति भी सामान्य ही रहेगी तथा उद्विग्नता एवं चंचलता का भाव भी विद्यमान रहेगा। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि इस समय मध्यम रहेगी तथा पारिवारिक जनों से सामान्य सहयोग मिलता रहेगा। संतति पक्ष से भी आप सन्तुष्ट रहेंगे तथा अपने कार्य क्षेत्र में वे उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे। ज्ञानार्जन में इस समय आपकी पूर्ण रूचि रहेगी तथा परिश्रम पूर्वक विभिन्न शास्त्रों का अध्ययन करने या वैज्ञानिक शोध कार्य के प्रति आपका विशेष ध्यान रहेगा। धर्म के प्रति आपके मन में सामान्य श्रद्धा रहेगी तथा अवसरानुकूल आप धार्मिक कार्यो को सम्पन्न करने में तत्पर रहेंगे। साथ ही धार्मिक नेताओं से सम्पर्क या तीर्थ यात्रा की भी संभावना रहेगी। इस समय आपके कार्य बुद्धिमता तथा परिश्रम से सम्पन्न होंगे तथा लोग आप पर काफी विश्वास रखेंगे जिससे सामाजिक मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी ।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए समय मध्यम रहेगा तथा परिश्रम एवं संघर्ष से आपको सफलता मिलेगी। साथ ही लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। नौकरी या राजनीति में आपकी उन्नति होगी परन्तु इस समय आप आवास या स्थान संबधी परिवर्तन भी कर सकते हैं। शत्रु या विरोधी पक्ष भी यद्यपि समस्याएं उत्पन्न करेंगे परन्तु अन्त में उन पर विजय प्राप्त करेंगे। आर्थिक स्थिति इस समय सामान्यतया अच्छी रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। साथ ही अल्प मात्रा में कोई विशेष लाभ भी हो सकता है। अतः यह वर्ष आपके लिए सामान्यतया शुभ रहेगा तथापि परिश्रम से ही कार्यो कलापों में सिद्धि प्राप्त हो सकेगी।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में शारीरिक रूप से आप की स्वस्थता बनी रहेगी। साथ ही मानसिक रूप से भी आप शान्ति तथा प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे। इस समय आप में उत्साह के भाव की प्रबलता रहेगी तथा आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्य उत्साह एवं परिश्रम से ही सम्पन्न करेंगे।साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। इस समय आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा यश भी दूर दूर तक व्याप्त होगा फलतः सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे एवं आपको उचित मान सम्मान प्रदान करेंगे।बन्धुवर्ग से भी इस वर्ष आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा उनसे लाभ भी मिलेगा। मिष्ठान्न के प्रति इस समय आपकी विशेष रूचि रहेगी तथा इच्छानुसार आप समय समय पर रूचि पूर्वक इसका भक्षण कर के आनन्द की प्राप्ति करेंगे।

इस वर्ष में राजनैतिक रूप से प्रभाव शाली व्यक्तियों या सरकार के उच्चाधिकारी वर्ग से आप को आश्रय मिलेगा अर्थात आपसे ये लोग प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे एवं समय समय पर अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। फलतः आपके सभी सांसारिक महत्व के कार्य यथा समय सिद्ध होंगे। आर्थिक दृष्टि से भी आपकी आय अच्छी रहेगी तथा आवश्यक मात्रा में धन एवं लाभ की प्राप्ति होगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त स्त्री से भी आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा जिससे आपके मन में प्रसन्नता का भाव विद्यमान रहेगा।